समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Sunday, 20 September 2026

घग्घर नदी पर बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन अलर्ट, तटबंधों पर कड़ी निगरानी

राजेश चौधरी
Published on 02 Sep 2025

हनुमानगढ़ जिले में लगातार हो रही भारी वर्षा और घग्घर नदी में बढ़ते पानी की आवक ने प्रशासन को पूरी तरह चौकन्ना कर दिया है। जिला प्रशासन ने हालात को देखते हुए तटबंधों पर विशेष निगरानी शुरू कर दी है। जिला कलेक्टर **डॉ. खुशाल यादव**, पुलिस अधीक्षक **श्री हरी शंकर**, एडीएम **उम्मेदी लाल मीना** और एसडीएम **मांगीलाल** ने सोमवार को **सहजीपुरा, बहलोलनगर** समेत निचले इलाकों का दौरा किया और नदी के तटबंधों तथा जलभराव की स्थिति का जायजा लिया।

कलेक्टर डॉ. यादव ने बताया कि अभी स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन प्रशासन किसी भी आपात परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। तटबंधों को मजबूत बनाने का कार्य जारी है और निचले क्षेत्रों में विशेष चौकसी बरती जा रही है।

प्रशासन ने नदी किनारे के क्षेत्रों को अलग-अलग खंडों में विभाजित कर दिया है और प्रत्येक खंड की जिम्मेदारी एक अधिकारी को सौंपी गई है। यह अधिकारी तटबंधों की नियमित निगरानी करेंगे और किसी भी संभावित खतरे की स्थिति में तुरंत कार्रवाई करेंगे।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के अंतर्गत घग्घर नदी से संबंधित सभी सरकारी कार्यालय अवकाश के दिनों में भी खुले रहेंगे। अधिकारियों और कर्मचारियों के अवकाश रद्द कर दिए गए हैं, ताकि किसी भी स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया दी जा सके।

प्रशासन ने पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिले के सभी **पेट्रोल पंपों को 24 घंटे खुले रखने** के निर्देश दिए हैं। साथ ही, पर्याप्त ईंधन भंडारण करने के आदेश भी दिए गए हैं।
खाद्य आपूर्ति को ध्यान में रखते हुए **राशन की दुकानों को अतिरिक्त भंडार सुरक्षित रखने** के निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में लोगों को खाद्य संकट का सामना न करना पड़े।

नदी किनारे स्थित तटबंधों को मजबूत बनाने के लिए प्रशासन द्वारा बड़े पैमाने पर **मिट्टी के कट्टे भरने का काम** कराया जा रहा है। इसके लिए पर्याप्त मात्रा में खाली कट्टों का इंतजाम भी कर लिया गया है।

कलेक्टर ने कहा कि यह तैयारी इसलिए की जा रही है ताकि अचानक पानी की आवक बढ़ने पर किसी प्रकार की स्थिति नियंत्रण से बाहर न हो।

प्रशासन ने स्वास्थ्य सेवाओं को भी पूरी तरह सक्रिय कर दिया है। **मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी** को प्रभावित क्षेत्रों में दवाओं का पर्याप्त स्टॉक रखने और **मेडिकल टीम गठित करने** के निर्देश दिए गए हैं। ये टीमें संभावित बाढ़ प्रभावित इलाकों में हर समय उपलब्ध रहेंगी।
इसके अलावा, प्राथमिक उपचार और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था भी की गई है।

प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह या गलत जानकारी पर विश्वास न करें। केवल प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं का ही पालन करें।
जिला प्रशासन ने कहा है कि किसी भी आपात स्थिति या जानकारी के लिए नागरिक सीधे **जिला नागरिक सुरक्षा कंट्रोल रूम (01552-260299)** पर संपर्क कर सकते हैं।

कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन पूरी तरह तैयार है, लेकिन ऐसे समय में स्थानीय लोगों का सहयोग भी उतना ही जरूरी है। यदि लोग प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे और सतर्क रहेंगे, तो किसी भी आपदा से बेहतर तरीके से निपटा जा सकेगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/राजेश चौधरी, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.